रणजीत टाइम्स

इंदौर

सोमवार, 6 जुलाई, 2026

वर्ष 02 | अंक 162 कुल पृष्ठ : 8 | Digital

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

'सुन रहे हो न विनोद... काम बोले छे!' पीएम मोदी के अंदाज़ ने लूटी महफिल, सेमीकंडक्टर कार्यक्रम में गूंजे ठहाके

गांधीनगर। ने गुजरात के साणंद में देश के तीसरे सेमीकंडक्टर प्लांट के उद्घाटन के दौरान अपने अलग अंदाज़ से कार्यक्रम में मौजूद लोगों का दिल जीत लिया। भाषण के दौरान उन्होंने लोकप्रिय वेब सीरीज़ के चर्चित डायलॉग "सुन रहे हो न विनोद..." को गुजराती अंदाज़ में "काम बोले छे" के साथ जोड़कर कहा, जिसके बाद पूरा सभागार तालियों और ठहाकों से गूंज उठा। प्रधानमंत्री ने इस हल्के-फुल्के अंदाज़ के जरिए भारत के तेजी से बढ़ते सेमीकंडक्टर क्षेत्र और विकास कार्यों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि सरकार केवल घोषणाएं नहीं कर रही, बल्कि देश में आधुनिक विनिर्माण, तकनीक और रोजगार के नए अवसर तैयार कर रही है। उनके इस संवाद को उपस्थित लोगों ने खूब सराहा और सोशल मीडिया पर भी इसकी व्यापक चर्चा शुरू हो गई। साणंद में स्थापित होने वाला नया सेमीकंडक्टर प्लांट भारत को वैश्विक चिप निर्माण केंद्र बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। सरकार का मानना है कि इससे इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण, निवेश और उच्च कौशल वाले रोजगार को नई गति मिलेगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत अब तकनीकी क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है और सेमीकंडक्टर मिशन इसी संकल्प का मजबूत आधार बनेगा।

कार्यक्रम में प्रधानमंत्री का यह सहज और हास्यपूर्ण अंदाज़ एक बार फिर चर्चा का विषय बन गया। राजनीतिक और तकनीकी संदेश के साथ लोकप्रिय संस्कृति का यह मेल लोगों को खूब पसंद आया।

राम मंदिर चढ़ावा विवाद से गरमाई यूपी की राजनीति! 2027 चुनाव से पहले बीजेपी पर विपक्ष का बड़ा हमला

लखनऊ। में चढ़ावे की कथित चोरी और वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों ने उत्तर प्रदेश की राजनीति में नया तूफान खड़ा कर दिया है। 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले यह मामला अब बड़ा राजनीतिक मुद्दा बनता जा रहा है।

विपक्ष इस मुद्दे को लेकर भारतीय जनता पार्टी पर लगातार हमलावर है, जबकि बीजेपी ने आरोपों को निराधार बताते हुए इसे राजनीतिक साजिश करार दिया है। विपक्षी दलों का आरोप है कि करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़े मंदिर में वित्तीय पारदर्शिता सुनिश्चित की जानी चाहिए और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। उनका कहना है कि यदि चढ़ावे के प्रबंधन में किसी प्रकार की अनियमितता हुई है तो जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। दूसरी ओर बीजेपी का कहना है कि विपक्ष धार्मिक आस्था से जुड़े विषय को राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल कर रहा है और बिना तथ्यों के भ्रम फैलाने की कोशिश की जा रही है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि अयोध्या और राम मंदिर भाजपा की प्रमुख राजनीतिक पहचान रहे हैं। ऐसे में इस तरह के आरोप चुनावी माहौल में विपक्ष को सरकार को घेरने का अवसर दे सकते हैं। वहीं बीजेपी का पूरा जोर इस मुद्दे को विपक्ष की साजिश बताकर राजनीतिक नुकसान से बचने पर है। हालांकि, इस मामले में जांच और आधिकारिक तथ्यों के सामने आने का इंतजार है। स्पष्ट निष्कर्ष आने से पहले किसी भी पक्ष के दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। लेकिन इतना तय है कि आने वाले दिनों में यह विवाद उत्तर प्रदेश की राजनीति और 2027 विधानसभा चुनाव की बहस का प्रमुख मुद्दा बना रह सकता है।

कूटनीतिक मोर्चे पर भारत का बड़ा अभियान! जयशंकर छह देशों के दौरे पर, वैश्विक रिश्तों को मिलेगी नई धार

नई दिल्ली। आज से 15 जुलाई तक छह देशों की महत्वपूर्ण यात्रा पर रवाना हो रहे हैं। इस दौरे को भारत की सक्रिय कूटनीति और वैश्विक साझेदारियों को मजबूत करने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है।

विदेश मंत्रालय के अनुसार, यात्रा के दौरान द्विपक्षीय संबंधों, व्यापार, निवेश, रक्षा सहयोग, प्रौद्योगिकी, ऊर्जा सुरक्षा और क्षेत्रीय एवं वैश्विक मुद्दों पर व्यापक चर्चा होगी। विदेश मंत्री अपने समकक्ष नेताओं और वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों से मुलाकात करेंगे। इसके अलावा विभिन्न उद्योग संगठनों, रणनीतिक विशेषज्ञों और भारतीय समुदाय के प्रतिनिधियों से भी संवाद करेंगे। भारत का उद्देश्य प्रमुख साझेदार देशों के साथ आर्थिक सहयोग बढ़ाने के साथ-साथ हिंद-प्रशांत क्षेत्र, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला और उभरती भू-राजनीतिक चुनौतियों पर समन्वय को मजबूत करना है। विशेषज्ञों का मानना है कि मौजूदा वैश्विक परिस्थितियों में यह दौरा भारत की विदेश नीति के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।

रूस-यूक्रेन संघर्ष, पश्चिम एशिया की स्थिति, ऊर्जा सुरक्षा और वैश्विक व्यापार से जुड़े मुद्दों के बीच भारत अपने बहुपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने की रणनीति पर काम कर रहा है। सरकार का मानना है कि इस यात्रा से भारत की वैश्विक भूमिका और प्रभाव को नई मजबूती मिलेगी। साथ ही व्यापार, निवेश, तकनीकी सहयोग और रणनीतिक साझेदारी के नए अवसर भी खुलेंगे, जिससे भारत के आर्थिक और कूटनीतिक हितों को दीर्घकालिक लाभ मिलने की उम्मीद है।

ट्रंप का बड़ा दावा!

खामेनेई को लेकर दिया विवादित बयान, ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर भी साधा निशाना

वॉशिंगटन। ने ईरान के सर्वोच्च नेता को लेकर एक बार फिर विवादित बयान दिया है। ट्रंप ने दावा किया कि उन्हें पहले लगता था कि खामेनेई को ईरान में लोग पसंद नहीं करते, लेकिन उनके अंतिम संस्कार में बड़ी संख्या में लोगों और शीर्ष नेताओं की मौजूदगी ने अलग तस्वीर दिखाई। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका के पास ऐसी सैन्य क्षमता है कि वह चाहे तो एक ही कार्रवाई में ईरान के शीर्ष नेतृत्व को निशाना बना सकता है। ट्रंप ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर भी अपनी कड़ी नीति दोहराते हुए कहा कि अमेरिका किसी भी कीमत पर ईरान को परमाणु हथियार हासिल नहीं करने देगा। उन्होंने संकेत दिए कि यदि ईरान बातचीत और समझौते का रास्ता अपनाता है, तो कूटनीतिक समाधान की संभावना बनी रह सकती है। साथ ही उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय स्थिरता और वैश्विक सुरक्षा के लिए ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर प्रभावी नियंत्रण आवश्यक है। ट्रंप के इन बयानों के बाद पश्चिम एशिया की राजनीति में एक बार फिर हलचल तेज हो गई है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि ऐसे बयान पहले से तनावपूर्ण क्षेत्रीय माहौल को और संवेदनशील बना सकते हैं। हालांकि, ईरान की ओर से ट्रंप की टिप्पणियों पर आधिकारिक प्रतिक्रिया का इंतजार है। अमेरिका और ईरान के बीच परमाणु कार्यक्रम, प्रतिबंधों और क्षेत्रीय सुरक्षा को लेकर लंबे समय से मतभेद रहे हैं। ऐसे में ट्रंप का ताजा बयान आने वाले दिनों में दोनों देशों के संबंधों और कूटनीतिक प्रयासों पर असर डाल सकता है।

आकांक्षी विकासखंड कार्यक्रम अंतर्गत समीक्षा बैठक जिला पंचायत सीईओ की अध्यक्षता में बुधवार ,8 जुलाई को

नवल किशोर

कटनी । नीति आयोग भारत सरकार द्वारा संचालित आकांक्षी विकासखंड योजना में चयनित रीठी विकासखंड में विभिन्न संकेतकों की प्रगति के संबंध में समीक्षा बैठक जिला पंचायत के सभा कक्ष में बुधवार, 8 जुलाई को जिला पंचायत सीईओ सुश्री हरसिमरनप्रीत कौर की अध्यक्षता में 11 बजे से आयोजित की गई है। जिला पंचायत सीईओ सुश्री कौर ने महिला एवं बाल विकास, स्वास्थ्य,किसान कल्याण तथा कृषि,भूमि संरक्षण, पशुपालन, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, शिक्षा, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, स्वच्छ भारत मिशन एवं पशु चिकित्सा विभाग के जिला एवं जनपद स्तरीय अधिकारियों को संकेतकों को संतृप्त करने हेतु निर्धारित एजेंडा के अनुसार विंडो 2.0 इनोवेटिव प्रोजेक्ट अंतर्गत अंतर्गत डीपीआर तैयार कर विभाग से संबंधित बिंदुवार अद्यतन प्रगति की जानकारी सहित निर्धारित समय एवं स्थान पर अधिकारियों को उपस्थित होने हेतु निर्देश दिए हैं। सुश्री कौर ने स्पष्ट किया है कि आकांक्षी विकासखंड कार्यक्रम की समीक्षा नीति आयोग भारत सरकार करती है इसलिए बैठक में समस्त अधिकारियों की उपस्थिति अनिवार्य होगी। उन्होंने एबीपी फेलो को सभी विभागों से समन्वय स्थापित कर 7 जुलाई तक जानकारी संकलित करने को कहा है।

अखिल भारतीय कुर्मी क्षत्रिय महासभा का भव्य सम्मान समारोह

राजेश धाकड़

इंदौर / अखिल भारतीय कुर्मी क्षत्रिय महासभा के इंदौर जिला इकाई द्वारा 5 जुलाई 2026 (रविवार) को शहर में एक भव्य सामाजिक समागम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज के होनहार विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करना और उन्हें भविष्य की राह दिखाना है मेधावी विद्यार्थी सम्मान समारोह एवं करियर मार्गदर्शन 5 जुलाई 2026, सुबह 10:00 बजे आयोजन स्थल माई मंगेशकर सभागृह, इन्दौर में किया गया समारोह के दौरान इंदौर संभाग और आसपास के क्षेत्रों से आए कुर्मी समाज के उन मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित कर पुरस्कृत किया गया जिन्होंने बोर्ड परीक्षाओं, में उच्च शिक्षा और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में उत्कृष्ट स्थान प्राप्त किया है।

देश और समाज की वास्तविक प्रगति तभी संभव है जब युवा पीढ़ी शिक्षित और संस्कारी एवं जागरूक हो युवाओं की इसी ऊर्जा को सही दिशा देने और उनकी शैक्षिक उत्कृष्ट को बढ़ाने के उद्देश्य से अखिल भारतीय कुर्मी क्षत्रीय महासभा द्वारा भव्य प्रेरणादायक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जहा संगठन विस्तार और सामाजिक एकजुटता पर महासभा के वरिष्ठ पदाधिकारियों के अनुसार, यह कार्यक्रम सिर्फ एक सम्मान समारोह नहीं है, बल्कि इंदौर और मालवा अंचल में कुर्मी समाज को सांगठनिक रूप से मजबूत करना भी है।

गौरतलब है कि महासभा द्वारा लगातार संभागीय बैठकें कर इंदौर उज्जैन और आसपास के सभी संभाग में स्वजातीय बंधुओं को एकजुट करना है। अखिल भारतीय कुर्मी क्षत्रिय महासभा द्वारा संगठन का विस्तार करते हुए पत्रकार नवीन कुमार को इंदौर जिले का मिडिया प्रभारी नियुक्त किया है यह नियुक्ति समाज के वरिष्ठ प्रांतीय पदाधिकारियों ने बताया कि नवीन कुमार के लंबे पत्रकारिता अनुभव को देखते हुए उन्हें या जिम्मेदारी सौंपी गई है संगठन को उम्मीद है कि उनके आने से महासभा के कार्यों सामाजिक गतिविधियों और कल्याणकारी योजनाओं का प्रचार प्रसार बेहतर तरीके से किया जा सकेगा। प्रदेश अध्यक्ष गिरधारी कुमायूं जी , राष्ट्रीय अध्यक्ष सर्वेश कुमार कटियार, राष्ट्रीय महासचिव डॉ उत्तम प्रकाश सिंह जी, राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष डॉ रश्मि सिंह कुर्मी, प्रदेश संरक्षक जी एल बडगैया , महिला प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष डॉ हेमा कुमारी कुर्मी प्रदेश महासचिव प्रहलाद पटेल जी, प्रदेश महासचिव राम शंकर पटेल , प्रदेश कोषाध्यक्ष विमल गौर कुर्मी, प्रदेश प्रवक्ता मनोज कुर्मी, मिडिया प्रभारी नवीन कुमार कुमायूं

आयोजन समिति के जिला इकाई के पदाधिकारियों ने अपील की है कि इंदौर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से सभी स्वजातीय भाई-बहन, युवा और मातृ-शक्तियों ने इस गरिमामय कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया युवाओं की उपस्थिति ने कार्यक्रम को और अधिक सार्थक बनाया, जिससे समाज में शिक्षा का एक सकारात्मक माहौल तैयार किया जा सका।

कटनी नगर निगम में जल्द शुरू होगी ऑनलाइन नामांतरण व्यवस्था: निगमायुक्त सुश्री तपस्या परिहार की पहल

राजस्व अमले को दिया गया व्यावहारिक प्रशिक्षण; अब घर बैठे मिलेगी हर आवेदन की स्थिति, तय समय-सीमा में निराकरण न होने पर सिस्टम खुद जारी करेगा 'रेड फ्लैग'

कटनी। नगर पालिक निगम कटनी नागरिक सेवाओं को अधिक सुगम, पारदर्शी और जवाबदेह बनाने की दिशा में एक बड़ा डिजिटल कदम उठाने जा रहा है। निगमायुक्त सुश्री तपस्या परिहार की पहल पर अब नागरिकों के भवनों एवं निगम स्वामित्व की दुकानों के नामांतरण (म्यूटेशन) की पूरी प्रक्रिया को पूरी तरह ऑनलाइन किया जा रहा है। इस संबंध में निगमायुक्त द्वारा समय-सीमा की बैठक में दिए गए निर्देशों के बाद शुक्रवार को एम.आई.सी. कक्ष में राजस्व शाखा के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को ऑनलाइन व्यवस्था का विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

बार-बार नहीं काटने पड़ेंगे निगम के चक्कर

इस नई व्यवस्था के लागू होने के बाद नागरिकों को नामांतरण के लिए नगर निगम कार्यालय के चक्कर लगाने से मुक्ति मिलेगी। आवेदन करने से लेकर दस्तावेज अपलोड, एनओसी (अनापत्ति प्रमाण-पत्र), सार्वजनिक सूचना का प्रकाशन, मौका निरीक्षण, अनुमोदन और अंतिम आदेश जारी होने तक की संपूर्ण प्रक्रिया ऑनलाइन संपन्न होगी। इससे समय की बचत होगी और पूरी कार्यप्रणाली में पारदर्शिता आएगी।

घर बैठे ट्रैक होगा आवेदन का 'स्टेटस'

डिजिटल व्यवस्था के तहत आवेदक अपने नामांतरण आवेदन की वर्तमान स्थिति घर बैठे ऑनलाइन देख सकेंगे। उन्हें यह भी पता रहेगा कि उनका प्रकरण किस अधिकारी के पास लंबित है और कार्रवाई किस चरण में है। दस्तावेजों में किसी भी प्रकार की कमी होने पर आवेदक को तत्काल एसएमएस (SMS) और पोर्टल के माध्यम से सूचित किया जाएगा, जिससे फाइल गुम होने या बेवजह की आपत्तियों जैसी गड़बड़ियों पर प्रभावी रोक लगेगी।

रेड फ्लैग' से तय होगी अधिकारियों की जवाबदेही

इस ऑनलाइन पोर्टल की सबसे बड़ी विशेषता इसकी चरणबद्ध मॉनिटरिंग प्रणाली है। यदि कोई नामांतरण प्रकरण शासन द्वारा निर्धारित समय-सीमा से अधिक समय तक लंबित रहता है, तो सिस्टम स्वतः ही संबंधित अधिकारी के लॉगिन पर 'रेड फ्लैग' (Red Flag) जारी कर देगा। ऐसी स्थिति में अधिकारी को विलंब का उचित कारण दर्ज करना अनिवार्य होगा। बिना किसी ठोस कारण के देरी पाए जाने पर संबंधितों की जवाबदेही तय की जाएगी।

सुशासन और राजस्व वृद्धि में मददगार

मामले में निगमायुक्त सुश्री तपस्या परिहार का कहना है कि तकनीक आधारित पारदर्शी व्यवस्था ही सुशासन की असली पहचान है। ऑनलाइन व्यवस्था से जहां एक ओर मानवीय हस्तक्षेप कम होगा और जनता का प्रशासन पर विश्वास मजबूत होगा, वहीं दूसरी ओर समय पर नामांतरण शुल्क प्राप्त होने से नगर निगम के राजस्व में भी वृद्धि होगी। इस राजस्व का उपयोग शहर के विकास कार्यों में किया जाएगा। कर्मचारियों की कार्य सुविधा के लिए जल्द ही दूसरे चरण का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी आयोजित किया जाएगा।

ग्वालियर में बसपा से जुड़े दर्जनों युवा, संगठन को मिली नई ताकत

ग्वालियर। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की जिलास्तरीय बैठक का आयोजन ग्वालियर जिला कार्यालय पर जिलाध्यक्ष हाकिम सिंह राजोरिया के नेतृत्व में किया गया। बैठक के दौरान बड़ी संख्या में युवाओं ने बहुजन समाज पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर संगठन की नीतियों एवं विचारधारा में विश्वास व्यक्त किया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष हाकिम सिंह राजोरिया ने नवसदस्यों का स्वागत करते हुए कहा कि युवाओं के जुड़ने से संगठन को नई ऊर्जा मिलेगी। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने तथा पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। बैठक में संगठन की मजबूती, आगामी कार्यक्रमों एवं जनसंपर्क अभियान को लेकर भी चर्चा की गई। नवसदस्यों ने पार्टी की विचारधारा के अनुरूप कार्य करते हुए बहुजन समाज के हितों के लिए सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं समर्थक उपस्थित रहे।

रणजीत टाइम्स

जीटीएस प्रभारी राजेंद्र वर्मा का जन्मदिन सादगी और उत्साह से मनाया गया

इंदौर। नगर निगम के संगम जीटीएस (कचरा प्लांट) प्रभारी राजेंद्र वर्मा का जन्मदिवस जोन-1 में सादगी और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर सहायक सीएसआई भारत करोसिया एवं उनकी टीम ने वर्मा को शुभकामनाएं देते हुए उनके उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना की। कार्यक्रम में सचिन सिरसिया, राजेंद्र बारेसा, अभिषेक कल्याणे, योगेश धीमान एवं सुनील चौहान सहित अन्य सहयोगी उपस्थित रहे और सभी ने जन्मदिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

खुले प्लॉट में मलबा फेंकने पर 2 हजार, दुकान के बाहर कचरा मिलने पर 3 हजार का जुर्माना

राजेश धाकड़

इंदौर। नगर निगम की स्वच्छता टीम ने जोन-1 के वार्ड-16 में कार्रवाई करते हुए छोटा बांगड़दा रोड पर खुले प्लॉट में सीमेंट की खाली बोरियां फेंकने पर एक लोडिंग रिक्शा चालक पर 2,000 का चालान किया। सहायक सीएसआई भारत करोसिया ने मौके पर रिक्शा चालक से खाली बोरियां वापस उठवाकर निगम के निर्धारित नियमों के अनुसार 311 पर परिवहन शुल्क जमा कर कचरा निस्तारित करने की समझाइश दी। वहीं नंदबाग क्षेत्र में सीएसआई विवेक यादव ने अवनीश एवरफ्रेश दुकान के बाहर कचरा पाए जाने पर संचालक रोहित रॉय के विरुद्ध 3,000 की चालानी कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान वार्ड दरोगा लाखन पवार सहित निगम की टीम मौजूद रही।

तीर्थ नगरी ओंकारेश्वर पहुंचे मुख्य निर्वाचन आयुक्त,पूजा-अर्चना कर लिया आशीर्वाद

श्री ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन कर मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने दिया अध्यात्म का संदेश

राजेश धाकड़

खंडवा भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार,राज्य के दो दिवसीय प्रवास के दौरान शनिवार को मां नर्मदा के पावन तट पर स्थित तीर्थनगरी ओंकारेश्वर पहुंचे। ओंकारेश्वर आगमन पर उन्होंने श्रद्धा एवं विधि-विधान के साथ भगवान शिव के दर्शन कर पूजा-अर्चना की तथा आशीर्वाद प्राप्त किया।प्रवास के दौरान मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री कुमार ने परिवारजनों के साथ ओंकारेश्वर मंदिर में आयोजित श्रृंगार आरती एवं शयन श्रृंगार में सहभागिता की। ओंकारेश्वर प्रवास के दौरान उन्होंने मीडिया प्रतिनिधियों से सौहार्दपूर्ण चर्चा भी की। मीडिया से चर्चा करते हुए मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री कुमार ने कहा कि आज का दिन उनके जीवन का अत्यंत विशेष, भावनात्मक एवं अविस्मरणीय दिवस है। उन्होंने कहा कि अपनी धर्मपत्नी के साथ पवित्र श्री ओंकारेश्वर में दर्शन एवं पूजा-अर्चना का सौभाग्य प्राप्त होना उनके लिए ईश्वर की विशेष कृपा है।

उन्होंने मीडिया से चर्चा करते हुए बताया कि वर्ष 2003 में उन्होंने संकल्प लिया था कि जीवन में 12 ज्योतिर्लिंगों के दर्शन करेंगे। लगभग 23 वर्षों की इस लंबी आध्यात्मिक यात्रा पर उन्होंने भगवान महादेव के प्रति गहरी कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कहा कि यह सब उनकी असीम कृपा से संभव हो होगा।

अध्यात्म को महत्व दे, देश उन्नति में करे सहयोग

मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार ने समस्त देशवासियों को संदेश देते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में अध्यात्म को महत्व एवं विशेष स्थान देना चाहिए। अध्यात्म हमें आत्मिक शांति, सकारात्मक ऊर्जा और जीवन में संतुलन प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति, परंपरा और आध्यात्मिक विरासत हमारी अमूल्य धरोहर है, जिससे जुड़कर हम भारतीयता का वास्तविक अनुभव कर सकते हैं। मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री कुमार ने देश की प्रगति और समृद्धि के लिए सभी नागरिकों से सकारात्मक सहभागिता निभाने तथा राष्ट्र निर्माण में अपना सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया। इस अवसर पर कलेक्टर श्री ऋषभ गुप्ता, एसपी श्री आगम जैन सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

मध्यप्रदेश का एसआईआर अभियान देश के लिए बना आदर्शः मुख्य निर्वाचन आयुक्त

राजेश धाकड़

इंदौर। भारत निर्वाचन आयोग के मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने इंदौर में बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) से संवाद करते हुए मध्यप्रदेश में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान की सराहना की। उन्होंने कहा कि प्रदेश ने पारदर्शिता और दक्षता के साथ अभियान पूरा कर देश के लिए आदर्श प्रस्तुत किया है। उन्होंने कहा कि बीएलओ लोकतंत्र की नींव हैं और मतदाता सूची को शुद्ध, अद्यतन एवं विश्वसनीय बनाए रखने में उनकी सबसे महत्वपूर्ण भूमिका है। कार्यक्रम में एसआईआर की उपलब्धियों पर आधारित कॉफी टेबल बुक का विमोचन भी किया गया।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी संजीव

कुमार झा ने बताया कि अभियान आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप सफलतापूर्वक पूरा किया गया। उन्होंने कहा कि बीएलओ के मानदेय को 6 हजार रुपये तक बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं तथा सभी अधिकारियों और कर्मचारियों के सामूहिक प्रयास से यह सफलता मिली।

युवाओं के लिए ध्यान
सही दिशा और स्थिरता की ओर मार्गदर्शन

आज की प्रतिस्पर्धी और तेज़ रफ़्तार दुनिया में, युवा अक्सर तनाव, भ्रम और भावनात्मक असंतुलन का अनुभव करते हैं। पढ़ाई का दबाव, सामाजिक अपेक्षाएँ और डिजिटल मीडिया के लगातार संपर्क में रहने के कारण शांत और एकाग्र रहना मुश्किल हो सकता है। ऐसी स्थिति में, सहज योग ध्यान युवाओं को आंतरिक शांति और संतुलन प्राप्त करने का एक स्वाभाविक और सहज तरीका प्रदान करता है। सहज योग के सबसे महत्वपूर्ण पहलुओं में से एक यह है कि यह सरल और सहज है, जो इसे युवाओं के लिए आदर्श बनाता है। अन्य तकनीकों के विपरीत, जिनमें कठोर एकाग्रता या विचारों पर नियंत्रण की आवश्यकता होती है, सहज योग सिखाता है कि जब आंतरिक ऊर्जा जागृत होती है तो विचार स्वाभाविक रूप से कम हो जाते हैं। यह युवाओं को विचार-रहित जागरूकता की स्थिति का अनुभव करने में मदद करता है, जहाँ मन शांत, सतर्क और शांतिपूर्ण होता है।

सहज योग के माध्यम से ध्यान करने से युवाओं को कई लाभ मिलते हैं। सबसे पहले, यह तनाव और चिंता को कम करने में मदद करता है। छात्र अक्सर परीक्षाओं, करियर को लेकर चिंतित रहते हैं, लेकिन सहज योग ध्यान का नियमित अभ्यास मानसिक स्पष्टता और विश्राम लाता है। दूसरे, यह एकाग्रता और याददाश्त में सुधार करता है, जो शैक्षणिक सफलता के लिए आवश्यक हैं। एक शांत मन के साथ, सीखना अधिक आसान और प्रभावी हो जाता है। सहज योग ध्यान नियमित रूप से अभ्यास करने से हमारे भीतर धैर्य, आत्मविश्वास और आत्म-नियंत्रण जैसे गुणों का विकास करता है। परिणामस्वरूप, युवा चुनौतियों को अधिक सकारात्मक रूप से संभाल सकते हैं।इस प्रकार सहजयोग ध्यान युवाओं को सही दिशा तथा स्थिरता व आनंदमय जीवन प्रदान करता है। आपको सहजयोग ध्यान की जानकारी टोल फ्री नंबर 1800 2700 800 अथवा www.sahajayoga.org.in से प्राप्त कर सकते हैं। सहजयोग सदैव निःशुल्क है।

अस्पताल कागजों में, 87 डॉक्टर तैनात!
खजराना की स्वास्थ्य योजना पर बड़े सवाल

जब अस्पताल ही नहीं बना, तो 87 डॉक्टर किसके लिए?

राजेश धाकड़

मध्य प्रदेश इंदौर में विकास, सुशासन और स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर सरकार लगातार बड़े-बड़े दावे करती रही है। करोड़ों रुपये की योजनाओं का प्रचार होता है, नए अस्पतालों की घोषणाएं की जाती हैं और जनता को यह विश्वास दिलाया जाता है कि स्वास्थ्य सुविधाओं में अभूतपूर्व सुधार हो रहा है। लेकिन इंदौर के खजराना में प्रस्तावित 100 बिस्तरों वाले सिविल अस्पताल का मामला इन दावों की असलियत उजागर करने के लिए पर्याप्त है। वर्ष 2020 में खजराना क्षेत्र में 100 बिस्तरों वाले सिविल अस्पताल की मंजूरी दी गई थी। यह घोषणा इसलिए महत्वपूर्ण थी क्योंकि तेजी से बढ़ती आबादी वाले इस क्षेत्र को एक बड़े सरकारी अस्पताल की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी। स्थानीय लोगों को उम्मीद थी कि अस्पताल बनने से उन्हें बेहतर और सुलभ स्वास्थ्य सुविधाएं मिलेंगी। लेकिन छह वर्ष बीत जाने के बाद भी अस्पताल की इमारत तक नहीं बन पाई। इससे भी अधिक आश्चर्यजनक तथ्य यह सामने आया कि जिस अस्पताल की जमीन तक तय नहीं हो सकी, उसके नाम पर 87 डॉक्टरों और कर्मचारियों की पदस्थापना कर दी गई।

यह मामला केवल प्रशासनिक गड़बड़ी नहीं बल्कि सरकारी कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करता है। आखिर ऐसा कैसे हो सकता है कि अस्पताल मौजूद नहीं है, भवन नहीं है, वार्ड नहीं हैं, मरीज नहीं हैं, लेकिन डॉक्टर और कर्मचारी कागजों में मौजूद हैं? यदि अस्पताल अस्तित्व में ही नहीं है तो इन कर्मचारियों की नियुक्ति किस उद्देश्य से की गई? वे कहां कार्य कर रहे हैं और उनके वेतन का भुगतान किस आधार पर किया जा रहा है? प्रदेश के अनेक सरकारी अस्पतालों की वास्तविक स्थिति किसी से छिपी नहीं है। जिला अस्पतालों से लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों तक डॉक्टरों की भारी कमी है। ग्रामीण क्षेत्रों में कई अस्पताल ऐसे हैं जहां विशेषज्ञ चिकित्सकों के पद वर्षों से खाली पड़े हैं। मरीजों को छोटी-छोटी बीमारियों के इलाज के लिए भी शहरों का रुख करना पड़ता है। कई स्थानों पर एक डॉक्टर के भरोसे पूरा अस्पताल चल रहा है। कहीं एक्सरे मशीन है तो तकनीशियन नहीं, कहीं ऑपरेशन थिएटर है तो सर्जन नहीं। ऐसी स्थिति में एक ऐसे अस्पताल के लिए 87 पदों का रिकॉर्ड तैयार कर देना जो जमीन पर मौजूद ही नहीं है, व्यवस्था की गंभीर विफलता को दर्शाता है।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि अस्पताल निर्माण की प्रक्रिया शुरू होने से पहले ही स्टाफ की स्वीकृति और पदस्थापना क्यों कर दी गई? सामान्य प्रशासनिक प्रक्रिया में पहले भूमि का चयन होता है, फिर भवन निर्माण होता है, उसके बाद उपकरण खरीदे जाते हैं और अंत में स्टाफ की नियुक्ति की जाती है। लेकिन खजराना अस्पताल के मामले में ऐसा प्रतीत होता है कि पूरी प्रक्रिया उल्टी दिशा में चली।

ऐसा लगता है मानो कागजों में अस्पताल पहले बना दिया गया और जमीन पर उसे बनाना बाद में याद आया। यह भी संभव है कि सरकारी रिपोर्टों में इस अस्पताल को उपलब्धियों की सूची में शामिल किया जाता रहा हो। डॉक्टरों और कर्मचारियों की संख्या बढ़ाकर स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों को बेहतर दिखाया जाता रहा हो। यदि ऐसा है तो यह केवल प्रशासनिक लापरवाही नहीं बल्कि जनता के साथ विश्वासघात है। क्योंकि आंकड़ों में बढ़ोतरी से मरीजों का इलाज नहीं होता। अस्पतालों की सूची लंबी होने से स्वास्थ्य सेवाएं बेहतर नहीं हो जातीं। जनता को वास्तविक सुविधाएं चाहिए, कागजी उपलब्धियां नहीं। खजराना का यह मामला मध्य प्रदेश की उस व्यवस्था का प्रतीक बनता जा रहा है जिसमें घोषणाएं तेजी से होती हैं लेकिन उनका क्रियान्वयन वर्षों तक अधर में लटका रहता है। राजनीतिक मंचों से विकास की बातें करना आसान है, लेकिन जमीन पर अस्पताल खड़ा करना और उसे सुचारू रूप से संचालित करना वास्तविक उपलब्धि होती है। दुर्भाग्य से अक्सर देखा गया है कि शिलान्यास तो हो जाता है लेकिन निर्माण कार्य वर्षों तक आगे नहीं बढ़ता। जनता उम्मीद लगाकर बैठी रहती है और फाइलें एक विभाग से दूसरे विभाग तक घूमती रहती हैं। यह प्रश्न भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि छह वर्षों तक संबंधित अधिकारियों ने इस परियोजना की समीक्षा क्यों नहीं की? यदि भूमि उपलब्ध नहीं थी तो मंजूरी देने से पहले इसकी जांच क्यों नहीं की गई? यदि निर्माण कार्य शुरू नहीं हो सका तो जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई क्यों नहीं हुई? यदि स्टाफ की पदस्थापना की गई तो उसकी आवश्यकता और औचित्य का मूल्यांकन किसने किया? इन सभी प्रश्नों के उत्तर जनता जानना चाहती है।

आज जब प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने की आवश्यकता है, तब इस प्रकार के मामले सरकारी दावों की विश्वसनीयता को कमजोर करते हैं। कोविड महामारी के दौरान देश ने स्वास्थ्य ढांचे की कमियों को बहुत करीब से देखा था। उस समय अस्पतालों, डॉक्टरों और संसाधनों की अहमियत पूरे समाज ने महसूस की थी। इसके बावजूद यदि छह वर्षों तक एक स्वीकृत अस्पताल का निर्माण नहीं हो पाता, तो यह केवल प्रशासनिक असफलता नहीं बल्कि जनहित की उपेक्षा भी है। सरकार को इस मामले में पारदर्शिता के साथ पूरी जानकारी सार्वजनिक करनी चाहिए। अस्पताल के लिए स्वीकृत बजट कितना था, अब तक कितना खर्च हुआ, भूमि चयन में देरी क्यों हुई, स्टाफ की पदस्थापना किस आधार पर की गई और अस्पताल निर्माण की वर्तमान स्थिति क्या है, यह सब जनता के सामने आना चाहिए। साथ ही यदि किसी स्तर पर लापरवाही या अनियमितता हुई है तो जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही भी तय होनी चाहिए।

विकास का वास्तविक अर्थ केवल घोषणाओं और प्रेस विज्ञप्तियों तक सीमित नहीं है। विकास तब दिखाई देता है जब अस्पताल में मरीज का इलाज होता है, जब ग्रामीण क्षेत्र का नागरिक बेहतर स्वास्थ्य सुविधा प्राप्त करता है और जब सरकारी योजनाओं का लाभ वास्तव में जनता तक पहुंचता है। कागजों में अस्पताल और फाइलों में डॉक्टर दिखाकर जनता को भ्रमित नहीं किया जा सकता।

खजराना अस्पताल का मामला एक चेतावनी है। यह बताता है कि यदि योजनाओं की निगरानी और जवाबदेही तय नहीं की गई तो विकास केवल सरकारी दस्तावेजों तक सीमित रह जाएगा। जनता अब आंकड़ों और घोषणाओं से आगे बढ़ चुकी है। वह परिणाम देखना चाहती है। उसे कागजों पर दर्ज अस्पताल नहीं, वास्तविक अस्पताल चाहिए। उसे फाइलों में दर्ज डॉक्टर नहीं, इलाज करने वाले डॉक्टर चाहिए। सरकार को यह समझना होगा कि जनता की नजर अब केवल घोषणाओं पर नहीं बल्कि उनके क्रियान्वयन पर है। क्योंकि अंततः इतिहास भाषणों को नहीं, जमीन पर हुए कार्यों को याद रखता है।

नशे के खिलाफ चंदननगर पुलिस का प्रहार, 2.164 किलो गांजा जब्त

खुशबू श्रीवास्तव

50 हजार रुपये कीमत का मादक लिए पदार्थ बरामद, आरोपी से नेटवर्क को लेकर पूछताछ जारी

इंदौर । इंदौर पुलिस द्वारा नशे के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना चंदननगर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 2.164 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। जब्त गांजे की अनुमानित कीमत करीब 50 हजार रुपये बताई गई है। पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त मयंक अवस्थी, पुलिस उपायुक्त (जोन-4) सुनील मेहता, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त दिशेष अग्रवाल तथा सहायक पुलिस आयुक्त शिवेंदु जोशी के निर्देशन में थाना प्रभारी निरीक्षक तिलक कारोले के नेतृत्व में गठित टीम लगातार अवैध मादक पदार्थों की खरीद-फरोख्त पर नजर रखे हुए थी।

गोपनीय सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने चंदननगर क्षेत्र स्थित जगदीश पुरी मैदान के पास एक चाय की टपरी के समीप घेराबंदी कर एक संदिग्ध युवक को पकड़ा। तलाशी

के दौरान उसके कब्जे से 2.164 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान अनवर पिता राशिद खान (43 वर्ष), निवासी 18-बी-06, शकीना मंजिल रोड, चंदननगर, इंदौर के रूप में हुई है। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी ने पुलिस को बताया कि वह कम कीमत में अन्य जिलों से गांजा खरीदकर इंदौर लाता था और यहां छोटी-छोटी पुड़िया बनाकर अधिक दामों में बेचता था। उसने यह भी स्वीकार किया कि नशे की लत, कर्ज चुकाने और जल्दी पैसा कमाने की लालच में वह गांजे की तस्करी कर रहा था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20 के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस रिमांड के दौरान आरोपी से गांजे के स्रोत एवं उससे जुड़े अन्य तस्करों के संबंध में पूछताछ की जा रही है। पुलिस का कहना है कि नेटवर्क से जुड़े अन्य आरोपियों के खिलाफ भी जल्द वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी तिलक कारोले, उपनिरीक्षक सौरभ कुशवाह, सेवना सिंह ओसारी, प्रधान आरक्षक बलराम चौहान, जितेंद्र सोलंकी तथा आरक्षक धीरज पांडेय, हरि सिंह राजपूत, अनिल मकवाना, सुनील सोनी और अरुण जाट की सराहनीय भूमिका रही।

हाईकोर्ट से राहत नहीं मिलने पर अल्का सोनकर रिलीव, दिनेश नरगावे बने इंदौर सेंट्रल जेल के नए अधीक्षक

अल्का सोनकर

दिनेश नरगावे

खुशबू श्रीवास्तव

इंदौर। इंदौर सेंट्रल जेल में अधीक्षक पद को लेकर पिछले कई दिनों से चल रहा विवाद आखिरकार समाप्त हो गया। हाईकोर्ट से स्थायी राहत नहीं मिलने के बाद जेल मुख्यालय ने तत्काल प्रभाव से अल्का सोनकर को पदमुक्त कर दिया। उनके स्थान पर दिनेश नरगावे ने नए जेल अधीक्षक के रूप में कार्यभार

संभाल लिया है। सूत्रों के अनुसार, अल्का सोनकर ने अपने भोपाल तबादले के आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। प्रारंभिक सुनवाई में उन्हें अंतरिम राहत मिली थी, लेकिन बाद की सुनवाई में यह राहत आगे जारी नहीं रह सकी। इसके बाद जेल मुख्यालय ने तबादला आदेश लागू करते हुए उन्हें रिलीव कर दिया। देर रात हुई इस प्रशासनिक कार्रवाई के कुछ ही घंटों बाद दिनेश नरगावे ने इंदौर सेंट्रल जेल की कमान संभाल ली। पदभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने जेल की सुरक्षा व्यवस्था, प्रशासनिक कार्यों और बंदियों से जुड़े मामलों की समीक्षा शुरू कर दी। इंदौर सेंट्रल जेल प्रदेश की सबसे संवेदनशील जेलों में शामिल है, जहां कई हाई-प्रोफाइल बंदी निरुद्ध हैं। ऐसे में अधीक्षक का पद लंबे समय तक रिक्त न रहे, इसे ध्यान में रखते हुए जेल मुख्यालय ने तत्काल नई नियुक्ति लागू की।

प्रशासनिक बदलाव के बाद अब जेल कर्मचारियों और अधिकारियों की नजर नए अधीक्षक की कार्यशैली पर रहेगी। माना जा रहा है कि आने वाले समय में जेल प्रशासन में कुछ बदलाव देखने को मिल सकते हैं, हालांकि फिलहाल प्राथमिकता सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने तथा जेल संचालन को सुचारु बनाए रखने पर रहेगी।

दवाइयों व स्वास्थ्य सामग्री की खरीदी पर उठे सवाल, सीएमएचओ सहित तीन अधिकारियों के खिलाफ जांच की मांग

हेमंत भार्गव

कलेक्टर को शिकायत सौंपकर वित्तीय अनियमितता, भ्रष्टाचार और गोपनीय कार्यालय संचालन के लगाए आरोप

शिवपुरी। जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) डॉ. संजय ऋषिश्वर एक बार फिर आरोपों के घेरे में आ गए हैं। इस बार उन पर दवाइयों एवं अन्य स्वास्थ्य सामग्री की खरीदी में गंभीर वित्तीय अनियमितताओं और कथित भ्रष्टाचार के आरोप लगाए गए हैं। मामले को लेकर आवेदक ओम प्रकाश ने 26 जून को कलेक्टर कार्यालय में शिकायत दर्ज कर निष्पक्ष एवं विस्तृत जांच की मांग की है। शिकायत में सीएमएचओ डॉ. संजय ऋषिश्वर के साथ नेत्र सहायक नवल सिंह चौहान एवं एएसओ आई.पी. गोयल के नाम भी शामिल हैं। आरोप है कि तीनों ने मिलकर गोपनीय कार्यालय का संचालन किया, विभिन्न खरीदी शाखाओं का एकीकरण कर खरीदी प्रक्रिया में अनियमितताएं कीं तथा आयुष्मान आरोग्य केंद्रों पर आवश्यक दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित नहीं की। शिकायतकर्ता का कहना है कि खरीदी प्रक्रिया में पारदर्शिता का पालन नहीं किया गया, जिससे शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा। उन्होंने पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच कर दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की है। उल्लेखनीय है कि हाल ही में जिला कलेक्टर द्वारा स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली को लेकर सीएमएचओ को कारण बताओ नोटिस भी जारी किया गया था। ऐसे में नई शिकायत के सामने आने से स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली एक बार फिर चर्चा में आ गई है। अब यह देखना होगा कि जिला प्रशासन शिकायत में लगाए गए आरोपों की जांच किस स्तर पर कराता है और जांच में क्या तथ्य सामने आते हैं।

स्लीमनाबाद टनल के पूर्ण होने के बाद 6 जिलों का 1.85 लाख हेक्टेयर भू-क्षेत्र होगा सिंचित

टनल की खुदाई का कार्य मात्र 40 मीटर शेष, नर्मदा जल से किसान होंगे समृद्ध

नवल किशोर

कटनी।मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा कृषक कल्याण वर्ष में सिंचाई सुविधाओं के विस्तार कों सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश के अनुक्रम में कटनी जिले के स्लीमनाबाद टनल की खुदाई का कार्य लगभग पूर्णता पर है। टनल की कुल लम्बाई 11.952 किलोमीटर में से अब मात्र 40 मीटर टनल का हीं खनन कार्य शेष है। तकनीकी तौर पर मशीन में यदि कोई व्यवधान नहीं आता है, तो टनल खनन का कार्य 15 जुलाई तक पूर्ण कर लिए जाने की योजना है। बरगी व्यपवर्तन परियोजना की दाई तट मुख्य नहर के किलोमीटर 104 से 116.865 किलोमीटर के मध्य निर्मित इस टनल का कार्य करीब डेढ़ दशक से चल रहा था। टनल की कुल लम्बाई 116.865 किलोमीटर से 129 किलोमीटर तक

ओपन कैनाल रहेगी। इस कैनाल की जल प्रवाह क्षमता 152 क्यूमेक है जबकि टनल का डायमीटर 10.140 मीटर है। इस स्लीमनाबाद टनल के पूर्ण होने के बाद 1.85 लाख हेक्टयर भू क्षेत्र में सिचाई प्रस्तावित है।

किसान होंगे समृद्ध

नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण के कार्यपालन यंत्री श्री सहज श्रीवास्तव ने बताया कि अंचल के किसानों की समृद्धि और विकास की दिशा में स्लीमनाबाद टनल का निर्माण एक महत्वपूर्ण परियोजना है। इस टनल के बनने से क्षेत्र के आर्थिक विकास को भी गति मिलेगी। इस टनल से कटनी शहर की पेयजल की आपूर्ति के लिए भी पानी मिलेगा। इसके साथ ही जिले के आस-पास के ग्रामीण क्षेत्रों को भी इसका फायदा मिलेगा।

ये जिले होंगे लाभान्वित

परियोजना से कटनी जिले का 21 हजार 823 हेक्टेयर, मैहर का 54 हजार 227 हेक्टेयर, सतना का 1 लाख 4 हजार 970 हेक्टेयर, पन्ना का 448 हेक्टेयर और रीवा का 3 हजार 84 हेक्टेयर क्षेत्र सीधे लाभान्वित होंगे। इसके साथ ही इन जिलों के आस-पास के ग्रामीण क्षेत्रों को भी इसका बड़ा फायदा मिलेगा।

कृषि विभाग ने किसानों को डीएपी के स्थान पर एनपीके खाद प्रयोग करने की दी सलाह

नवल किशोर

कटनी । कृषि विभाग ने जिले के सभी किसान साथियों को फसलों में ज्यादा उपज हेतु केवल यूरिया और डीएपी पर निर्भर न रहते हुये 12:32:16 एनपीके खाद का उपयोग करने की सलाह दी है।

फसलों के लिए तीन मुख्य पोषक तत्व— नाइट्रोजन, फॉस्फोरस और पोटाश आवश्यक है। लेकिन किसान साथी अक्सर पोटाश तत्व की अनदेखी कर रहे हैं, जिसके कारण उन्हें अपेक्षित उपज नहीं मिल पा रही है।

क्यों जरूरी है पोटाश- पोटाश तत्व पौधों के लिए एक 'सुरक्षा कवच' का काम करता है। यह रोग और कीटों के प्रति पौधों में प्रतिरोधक क्षमता लाता है। यह फसल के दाने को बोल्ड (मोटा) बनाता है और दाने में चमक लाता है, जिससे फसल का बाजार मूल्य भी बेहतर हो सकता है। उपसंचालक कृषि रामखेलावन डेहेरिया ने बताया कि जिले में विशेष रूप से एनपीके 12:32:16 खाद उपलब्ध है। डीएपी खाद की

तुलना में एनपीके खाद थोड़ी महंगी होती है। लेकिन एनपीके खाद में पोटाश तत्व भी शामिल होता है, जबकि डीएपी में केवल नाइट्रोजन और फॉस्फोरस तत्व होते हैं।

जब इंसानियत के लिए रुका डॉ. नरोत्तम मिश्रा का काफिला, घायलों को पहुंचाया अस्पताल

हेमंत भार्गव

दतिया।अक्सर नेताओं के काफिलों की चर्चा उनकी रफ्तार और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर होती है, लेकिन दतिया के पास रविवार को एक ऐसा घटनाक्रम सामने आया, जिसने मानवता और संवेदनशीलता की मिसाल पेश की। पूर्व गृह मंत्री एवं वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ. नरोत्तम मिश्रा का काफिला दतिया क्षेत्र से गुजर रहा था, तभी रास्ते में एक सड़क दुर्घटना में घायल पड़े लोगों को देखकर उन्होंने तत्काल अपना काफिला रुकवा दिया। डॉ. मिश्रा स्वयं घटनास्थल पर पहुंचे और घायलों की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने बिना समय गंवाए घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था कराई। इसके साथ ही उन्होंने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) से फोन पर बात कर घायलों के बेहतर इलाज और आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, डॉ. मिश्रा ने पूरी संवेदनशीलता के साथ घायलों की मदद की और तब तक स्थिति की जानकारी लेते रहे, जब तक उन्हें अस्पताल नहीं पहुंचा दिया गया। इस घटना ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि जनसेवा और मानवीय संवेदनाएं डॉ. नरोत्तम मिश्रा के व्यक्तित्व की प्रमुख पहचान हैं। उनकी इस पहल की क्षेत्र में सराहना की जा रही है और लोग इसे इंसानियत की मिसाल बता रहे हैं।

37 वर्ष की सेवा, समर्पण और कर्तव्य निष्ठा को मिला सम्मान

जल संसाधन विभाग कटनी से सेवा निवृत हुए उपयंत्री श्री असाटी को दी गयी भाव-भीनी, आत्मीय बिदाई

कटनी। 37 साल तक जल संसाधन विभाग कटनी में उत्कृष्ट और समर्पण भाव से सेवाएं दे चुके उपयंत्री राजेश असाटी द्वारा अर्धवार्षिकी आयु 30 जून को पूर्ण करने पर सेवा निवृत्त हो जाने पर कार्यालय के अधिकारियों-कर्मचारियों द्वारा भावभीनी विदाई दी गई।

इसके पूर्व श्री असाटी का शाल, श्री फल और पुष्पमाला द्वारा आत्मीय स्वागत और अभिनंदन किया गया। सहकर्मियों ने मनमोहक,हंसमुख और विनम्र व्यक्तित्व के धनी श्री असाटी के साथ बीते हुए लम्हों को बेहद खास ,यादगार और अविस्मरणीय बताया। कुछ ने उनकी कर्तव्य निष्ठा, परिश्रम और मिलनसारिता की सराहना की। सहयोगी अधिकारियों कर्मचारियों ने अपने उद्बोधन में श्री असाटी को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए सामाजिक गतिविधियों में भी अपना योगदान इसी तरह देते रहने को कहा। श्री असाटी ने अपने उद्बोधन में वरिष्ठ अधिकारियों के सहयोग,अपनापन स्नेह और मार्गदर्शन को अपनी अनमोल पूंजी बताया और कहा कि इसे वे अपने हृदय और मानस पटल में सदैव संजो कर रखेंगे। इस दौरान उन्होंने शासकीय सेवा के दौरान हुए प्रशासनिक खट्टे मीठे अनुभवों को बेबाकी से साझा किया। पैतृक रूप से दमोह निवासी श्री असाटी ने बताया कि उन्होंने सतना बाणसागर

बहुउद्देशीय परियोजना, सिंचाई विभाग मे 1989 से 2009 तक बाँध व नहरों के निर्माण में भूमिका निभाई थी वहीं जल संसाधन विभाग कटनी में कार्यरत होते हुए 2009 से 2026 तक विकास खंड रीठी में जलाशयों और नहरों का निर्माण कार्य कराया। फलस्वरुप आसपास के कृषकों को फसलों की सिंचाई हेतु पानी की उपलब्धता सुनिश्चित हुई। सेवा और समर्पण को जब आदर और सम्मान मिलता है तो महसूस होता है कि उन्होंने जो भी किया है उसका सकारात्मक प्रतिफल देखने को मिल रहा है। आयोजित कार्यक्रम में पारिवारिक परिजन भी मौजूद रहे। इस दौरान सर्व श्री ईई प्रलेश बम्हनीया, रीठी, बहोरीबंद के एसडीओ एस. के. रैदास, एल.एन. तिवारी, सूर्यवंशी, पराते, अनिल पांडेय, मुकेश पांडेय, महेंद्र तिवारी और आर.जी.पासी एवं अन्य अधिकारियों-कर्मचारियों की मौजूदगी रही।

तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने बाइक को मारी टक्कर, 35 वर्षीय युवक की मौत

अतुल जैन

झांसी ले जाते समय रास्ते में तोड़ा दम, चालक के खिलाफ बीएनएस की धारा 106(1) में मामला दर्ज

खनियांधाना। बामौरकलां थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार और लापरवाही से चलाए जा रहे ट्रैक्टर की टक्कर से एक 35 वर्षीय युवक की दर्दनाक मौत हो गई। हादसा शनिवार शाम बामौरकलां-चचौरा मार्ग पर वेयरहाउस के पास हुआ। गंभीर रूप से घायल युवक को परिजन तत्काल निजी वाहन से उपचार के लिए झांसी ले जा रहे थे, लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही रास्ते में उसने दम तोड़ दिया। पुलिस ने फरियादी की शिकायत पर ट्रैक्टर चालक के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) 2023 की धारा 106(1) के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम भीमनगर निवासी घनश्याम पुत्र जुझार सिंह अहिरवार (54 वर्ष) ने थाना बामौरकलां में रिपोर्ट दर्ज कराई कि शनिवार 4 जुलाई 2026 की शाम करीब 7:30 बजे वह अपने चाचा के खेत, ग्राम चचौरा से बामौरकलां लौट रहे थे। इसी दौरान बामौरकलां के पहले वेयरहाउस के समीप उनके आगे नीले रंग का स्वराज कंपनी का ट्रैक्टर चल रहा था। सामने से एक मोटरसाइकिल आ रही थी, तभी ट्रैक्टर चालक ने तेज गति और लापरवाही से वाहन चलाते हुए मोटरसाइकिल को सीधी टक्कर मार दी।

टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि मोटरसाइकिल सवार युवक सड़क पर गिर पड़ा और उसके सिर व चेहरे पर गंभीर चोटें आईं। हादसे के बाद मौके पर पहुंचे घनश्याम ने घायल को उठाकर देखा तो उसकी पहचान अपने चाचा के पुत्र विनोद पुत्र हरनाम उर्फ हन्ना अहिरवार (35 वर्ष), निवासी चचौरा रोड, बामौरकलां के रूप में हुई। युवक के सिर और मुंह से लगातार खून बह रहा था और उसकी हालत बेहद गंभीर थी। फरियादी ने बताया कि उसने तत्काल अपने परिजनों को घटना की सूचना दी। सूचना मिलते ही पातीराम बौद्ध, दर्शन अहिरवार और इंदर अहिरवार मौके पर पहुंचे। सभी ने मिलकर घायल विनोद को निजी वाहन से उपचार के लिए झांसी रवाना किया, लेकिन झांसी पहुंचने से पहले ही रास्ते में उसकी मौत हो गई। इसके बाद परिजन शव को वापस लेकर थाना बामौरकलां पहुंचे और पूरी घटना की जानकारी पुलिस को दी।

रिपोर्ट में फरियादी ने ट्रैक्टर चालक की पहचान सोनू पुत्र बृगभान लोधी, निवासी हसर्रा के रूप में की है। हालांकि दुर्घटना के समय ट्रैक्टर का पंजीयन नंबर नोट नहीं किया जा सका। पुलिस ने शव का पंचनामा तैयार कर पोस्टमार्टम कराया और शव परिजनों को सौंप दिया। मामले में ट्रैक्टर चालक के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) 2023 की धारा 106(1) के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस दुर्घटना के सभी पहलुओं की जांच कर रही है तथा ट्रैक्टर की पहचान और चालक के संबंध में आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

प्रतिष्ठित उद्योगपति मुकेश गुप्ता पर जानलेवा हमला, कार में तोड़फोड़

नवल किशोर

कटनी। गुप्ता गैस एजेंसी के संचालक और शहर के प्रतिष्ठित उद्योगपति मुकेश गुप्ता पर दबंगों ने जानलेवा हमला कर दिया। हमलावरों ने न सिर्फ उद्योगपति के साथ बेरहमी से मारपीट की, बल्कि उनकी कार को भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया। पीड़ित किसी तरह अपनी जान बचाकर माधवनगर थाने पहुंचे, जहां पुलिस मामले की जांच और प्राथमिकी (FIR) दर्ज कर कार्रवाई में जुट गई है।

जमीन देखने गए थे उद्योगपति, घात लगाकर बैठे थे 40 युवक

प्राप्त जानकारी के अनुसार, उद्योगपति मुकेश गुप्ता के स्वामित्व वाली एक कीमती जमीन विश्राम बाबा के पास स्थित है। आज सुबह जब वे अपनी कार से इस जमीन का मुआयना करने पहुंचे, तो वहां पहले से ही करीब आधा सैकड़ा (50) युवक लाठी-डंडों से लैस होकर घात लगाए बैठे थे। मुकेश गुप्ता ने बताया कि जैसे ही उनकी कार वहां रुकी, लाठी-डंडों से लैस युवकों ने अचानक उन पर धावा बोल दिया। हमलावरों ने सबसे पहले कार के कांच फोड़ दिए और जैसे ही मुकेश गुप्ता गाड़ी से बाहर निकले, उनके साथ सीधे हाथापाई और मारपीट शुरू कर दी गई।

जान बचाकर भागे, माधवनगर थाने में दी सूचना

इस अप्रत्याशित और हिंसक हमले में मुकेश गुप्ता को कई गंभीर (सांघातिक) चोटें आई हैं। वे हमलावरों के चंगुल से किसी तरह अपनी जान बचाकर वहां से भागने में सफल रहे और सीधे माधवनगर थाना पहुंचे। उन्होंने पुलिस प्रशासन को घटना की पूरी आपबीती सुनाई है। सूत्रों के मुताबिक, पुलिस

द्वारा इस मामले में गंभीर धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की जा रही है।

विवाद के पीछे भाजपा नेता का हाथ होने की आशंका!

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, इस पूरे खूनी खेल के पीछे जमीन पर कब्जे का विवाद बताया जा रहा है। चर्चा है कि उद्योगपति मुकेश गुप्ता की इस निजी भूमि को लेकर एक स्थानीय भाजपा नेता से विवाद चल रहा है। आरोप है कि इसी विवाद के चलते वहां पहले से मौजूद 40 से अधिक असामाजिक तत्वों को इकट्ठा कर उद्योगपति पर यह जानलेवा हमला सुनियोजित तरीके से करवाया गया।

व्यापारियों में आक्रोश

मुकेश गुप्ता की गिनती शहर के बेहद सरल, शांत और शालीन स्वभाव के व्यवसायियों में होती है। दिनदहाड़े एक प्रतिष्ठित व्यापारी पर इस तरह खुलेआम हुई गुंडागर्दी और जानलेवा हमले की खबर फैलते ही कटनी के व्यापारिक समुदाय में तीव्र आक्रोश व्याप्त हो गया है। शहर के व्यापारियों ने इस घटना पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए पुलिस प्रशासन से आरोपियों और इसके पीछे शामिल मुख्य चेहरों के खिलाफ तत्काल और सख्त कार्रवाई की मांग की है।

लवकुशनगर पुलिस ने 10 साल पुराने दुष्कर्म मामले के वारंटी को पकड़ा

दिव्यानंद अर्गल

छतरपुर। पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा के निर्देशन में जिले में पुराने लंबित आपराधिक प्रकरणों के फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे "न्याय पथ अभियान" के तहत थाना लवकुशनगर पुलिस ने वर्ष 2016 के दुष्कर्म प्रकरण में फरार चल रहे वारंटी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी विष्णु साकेत उर्फ पंडा पिता सुवाराम शर्मा निवासी मझगवां, जिला सतना पिछले करीब 10 वर्षों से फरार चल रहा

था। पुलिस टीम ने उसे गिरफ्तार कर विधिवत कार्रवाई के बाद न्यायालय में पेश किया। यह कार्रवाई एसडीओपी लवकुशनगर नवीन दुबे के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी निरीक्षक अजय अंबे के नेतृत्व में की गई। कार्रवाई में प्रधान आरक्षक ओमपाल सिंह, दीपक चतुर्वेदी तथा आरक्षक विकास, बलराम और चंदन की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा के निर्देशन में चलाए जा रहे "न्याय पथ अभियान" के तहत जिले में लंबे समय से फरार आरोपियों की गिरफ्तारी और लंबित मामलों के निराकरण के लिए लगातार कार्रवाई की जा रही है।

एडवोकेट सुनील राठौड़ गौर बंजारा युवा दल के प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त

राजेश धाकड़

इंदौर। गौर बंजारा युवा दल, मध्य प्रदेश द्वारा युवा नेतृत्व को मजबूत करने के उद्देश्य से समाजसेवी एवं अधिवक्ता एडवोकेट सुनील राठौड़ को संगठन का प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति पर समाज के वरिष्ठजनों, युवाओं एवं शुभचिंतकों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएँ दी हैं। एडवोकेट सुनील राठौड़ वर्तमान में मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय, खण्डपीठ इंदौर में अधिवक्ता के रूप में अपनी सेवाएँ दे रहे हैं। वे विधि क्षेत्र के साथ-साथ सामाजिक गतिविधियों में भी निरंतर सक्रिय हैं। समाज के युवाओं को संगठित करना, शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा सामाजिक एकता को मजबूत करना उनके प्रमुख उद्देश्यों में शामिल रहा है।

गौर बंजारा युवा दल ने उनकी सक्रिय कार्यशैली, नेतृत्व क्षमता एवं समाज के प्रति समर्पण को देखते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा है। संगठन को विश्वास है कि उनके नेतृत्व में युवा वर्ग और अधिक संगठित होगा तथा समाजहित के कार्यों को नई गति मिलेगी। अपनी नियुक्ति पर एडवोकेट सुनील राठौड़ ने संगठन के शीर्ष नेतृत्व एवं सभी पदाधिकारियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह पद उनके लिए सम्मान के साथ-साथ बड़ी जिम्मेदारी भी है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि वे पूरी निष्ठा, ईमानदारी एवं समर्पण के साथ संगठन की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का प्रयास करेंगे तथा समाज और संगठन के हित में निरंतर कार्य करेंगे। उनकी नियुक्ति पर समाज के विभिन्न सामाजिक संगठनों, अधिवक्ताओं, युवा साथियों एवं शुभचिंतकों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए विश्वास जताया कि वे अपने अनुभव, नेतृत्व क्षमता और सेवा भावना के बल पर संगठन को नई ऊँचाइयों तक ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएँगे।

शिवपुरी बना देश का 'डिफेंस हब': अदाणी के 2500 करोड़ के प्लांट का शिलान्यास, अब दुश्मन का सीना चीरेंगे 'मेड इन शिवपुरी' हथियार

ऋषि गोस्वामी

शिवपुरीः मध्य प्रदेश के शिवपुरी में औद्योगिक विकास का एक नया सूर्योदय हुआ है। पाली गांव में नेशनल हाईवे-27 के किनारे अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस के विशाल मैन्युफैक्चरिंग प्लांट का शिलान्यास मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने किया। यह न केवल प्रदेश के लिए एक बड़ी उपलब्धि है, बल्कि रक्षा उत्पादन में भारत की आत्मनिर्भरता को भी नई उड़ान देगा।

रक्षा क्षेत्र में क्रांतिः क्या खास होगा इस प्लांट में?

2500 करोड़ की लागत से बनने वाला यह अत्याधुनिक प्लांट भारतीय रक्षा बलों के लिए गेम-चेंजर साबित होगा। यहाँ निम्नलिखित उत्पादों का निर्माण होगाः हाईटेक हथियार और गोला-बारूदः जो सीधे युद्ध के मैदान में दुश्मन को करारा जवाब देंगे।

मिशन-रेडी मिसाइलेंः अत्याधुनिक तकनीकों से लैस।

रक्षा उपकरणः जो भारतीय सेना की मारक क्षमता को कई गुना बढ़ाएंगे। इस परियोजना से स्थानीय स्तर पर 10 हजार युवाओं को सीधे रोजगार मिलने की उम्मीद है।

सिंधिया का संकल्प

"शिवपुरी से जाएंगे युद्ध के हथियार" केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने गौरवपूर्ण भाव से कहा, "जब भी देश की रक्षा का प्रश्न आएगा, शिवपुरी की धरती से बने हथियार और गोला-बारूद दुश्मन का सीना चीरेंगे।" उन्होंने शिवपुरी के युवाओं के कौशल पर भरोसा जताते हुए कहा कि अब इस क्षेत्र की पहचान देश की रक्षा पंक्ति के रूप में होगी।

मुख्यमंत्री का 'मक्खन' वाला अंदाज और सौगातों की बौछार

कार्यक्रम का माहौल तब और

खुशनुमा हो गया जब मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सिंधिया की मांगों पर चुटकी लेते हुए कहा, "आज महाराज की आवाज कुछ अलग थी, ऐसा लगा जैसे रोटी पर थोड़ा ज्यादा मक्खन लगा दिया हो।" हंसी-मजाक के बीच मुख्यमंत्री ने सिंधिया की सभी चार मांगों को सहर्ष स्वीकार करते हुए विकास की झड़ी लगा दीः स्वास्थ्य का नया आयामः राजमाता विजयाराजे सिंधिया मेडिकल कॉलेज (SRVSMC) में अब सुपर स्पेशियलिटी सेवाएं, कार्डियोलॉजी विभाग और अत्याधुनिक सीटी स्कैन सुविधा मिलेगी।

सांस्कृतिक गौरव

शिवपुरी में भगवान शिव की 100 फीट से अधिक ऊंची भव्य प्रतिमा स्थापित की जाएगी।

कनेक्टिविटीः 120 करोड़ की लागत से नई सड़क परियोजना को मंजूरी।

प्रशासनिक विस्तारः नई तहसील के गठन को हरी झंडी।

अदाणी ग्रुप का 'मिशन एमपी'- अदाणी समूह के डायरेक्टर जीत अदाणी ने मध्य प्रदेश के भविष्य के लिए एक बड़े रोडमैप का खुलासा किया। समूह ने प्रदेश में कुल 1 लाख 10 हजार करोड़ के निवेश का लक्ष्य रखा है। यह निवेश पंप हाइड्रो स्टोरेज, सीमेंट, माइनिंग और ग्रीन एनर्जी जैसे क्षेत्रों में होगा। समूह का लक्ष्य 2030 तक मध्य प्रदेश में 1 लाख 20 हजार रोजगार सृजित करना है।

निष्कर्षः- यह आयोजन शिवपुरी के लिए एक ऐतिहासिक दिन है। एक तरफ जहां रक्षा उत्पादन के जरिए यह शहर देश की सुरक्षा का आधार बनेगा, वहीं मुख्यमंत्री द्वारा दी गई सौगातें इसके सर्वांगीण विकास को नई गति देंगी। पाली गांव अब केवल एक स्थान नहीं, बल्कि 'मेक इन इंडिया' का एक बड़ा केंद्र बनने की राह

शराब में धुत पिता की लापरवाही पर भारी पड़ी पुलिस की सतर्कता, 8 माह के मासूम को सकुशल परिजनों से मिलाया

हेमंत भार्गव

शिवपुरी। मानवता और संवेदनशीलता का परिचय देते हुए शिवपुरी पुलिस ने एक 8 माह के मासूम बच्चे को सकुशल उसके परिजनों से मिलाकर सराहनीय कार्य किया है। पिता की नशे की हालत में हुई लापरवाही के बीच पुलिस की तत्परता और बस प्रभारी की सजगता से एक बड़ा हादसा टल गया। जानकारी के अनुसार, गांधी पार्क बस पार्किंग में ड्यूटी पर तैनात एएसआई शैलेंद्र सिंह चौहान को बस प्रभारी नरोत्तम चंदेल निवासी चांदपुर, थाना छर्च ने सूचना दी कि वह चांदपुर एवं बरई क्षेत्र से मुख्यमंत्री के कार्यक्रम के लिए बस लेकर शिवपुरी आ रहे थे। इसी दौरान ग्राम झिरी स्थित पेट्रोल पंप के पास एक युवक अपने करीब 8 माह के बच्चे को लेकर बस में सवार हो गया। युवक अत्यधिक शराब के नशे में था और सफर के दौरान उसने मासूम बच्चे को दो-तीन बार गिरा दिया।

स्थिति को भांपते हुए बस प्रभारी नरोत्तम चंदेल ने तत्काल बच्चे को अपनी गोद में लेकर सुरक्षित रखा और शिवपुरी पहुंचने पर इसकी जानकारी पुलिस को दी। पुलिस द्वारा पूछताछ करने पर शराबी युवक ने अपना नाम संदीप पटेल निवासी पारसोल मोहार बताया तथा अपनी ससुराल ग्राम झिरी, थाना छर्च होना बताया। युवक नशे में इतना धुत था कि वह गांधी पार्क बस पार्किंग में अपने ही बच्चे को इधर-उधर ढूंढता फिर रहा था। पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए ग्राम झिरी में संपर्क कर बच्चे के मामा को बुलाया। परिजनों ने बताया कि संदीप पटेल बिना किसी को बताए चुपचाप बच्चे को ससुराल से लेकर चला आया था। आवश्यक पुष्टि के बाद पुलिस ने 8 माह के मासूम को सकुशल उसके मामा के सुपुर्द कर दिया।

बच्चे के परिजनों ने पुलिस और बस प्रभारी नरोत्तम चंदेल के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी सजगता और संवेदनशीलता के कारण मासूम सुरक्षित परिवार तक पहुंच सका। इस सराहनीय कार्य में गांधी पार्क पार्किंग में तैनात एएसआई शैलेंद्र सिंह चौहान, प्रधान आरक्षक रामेश्वर पाल एवं आरक्षक भीकम सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही। वहीं, पुलिस ने भी बस प्रभारी नरोत्तम चंदेल की सतर्कता और मानवीय संवेदना की प्रशंसा की है। यह घटना एक बार फिर साबित करती है कि पुलिस की सजगता और समाज के जिम्मेदार नागरिकों की संवेदनशीलता किसी मासूम की जिंदगी को सुरक्षित रखने में कितनी अहम भूमिका निभा सकती है।

जांच प्रभावित न हो, इसलिए ईओडब्ल्यू ने पोहरी एसडीएम और पटवारी के तबादले की सिफारिश की

हेमंत भार्गव

शिवपुरीः आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) ग्वालियर ने पोहरी अनुविभाग में पदस्थ एसडीएम जे.पी. गुप्ता एवं पटवारी अशोक वर्मा के विरुद्ध दर्ज भ्रष्टाचार प्रकरण में महत्वपूर्ण कार्रवाई करते हुए दोनों अधिकारियों के स्थानांतरण की अनुशंसा की है ईओडब्ल्यू का कहना है कि निष्पक्ष एवं प्रभावी जांच सुनिश्चित करने के लिए दोनों अधिकारियों का पोहरी से स्थानांतरण आवश्यक है, ताकि वे किसी भी प्रकार से जांच को प्रभावित न कर सकें जानकारी के अनुसार, ईओडब्ल्यू पुलिस अधीक्षक कार्यालय, ग्वालियर द्वारा 3 जुलाई 2026 को कलेक्टर शिवपुरी को भेजे गए पत्र में उल्लेख किया गया है कि अपराध

क्रमांक 80/2026 के तहत एसडीएम जे.पी. गुप्ता एवं पटवारी अशोक वर्मा के विरुद्ध भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 7 के अंतर्गत प्रकरण दर्ज किया गया है दोनों अधिकारी वर्तमान में पोहरी अनुविभाग में पदस्थ हैं।

ईओडब्ल्यू ने अपने पत्र में स्पष्ट किया है कि प्रकरण की निष्पक्ष, पारदर्शी और प्रभावी जांच के हित में दोनों अधिकारियों का तत्काल प्रभाव से पोहरी अनुविभाग से स्थानांतरण किया जाना उचित होगा एजेंसी का मानना है कि वर्तमान पदस्थापना पर बने रहने की स्थिति में जांच प्रभावित होने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता उल्लेखनीय है कि यह मामला नाम दुरुस्ती के एवज में कथित रूप से रिश्वत मांगने से जुड़ा है शिकायत के आधार पर ईओडब्ल्यू ने जांच करते हुए दोनों अधिकारियों के विरुद्ध भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया था अब ईओडब्ल्यू द्वारा स्थानांतरण की अनुशंसा किए जाने के बाद इस पूरे मामले में अंतिम निर्णय जिला प्रशासन एवं शासन स्तर पर लिया जाएगा यह कार्रवाई जिले में चर्चाओं का विषय बनी हुई है और अब सभी की नजर शासन के आगामी निर्णय पर टिकी हुई है.!!